(b) (a)

VKSO

निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E3**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): MUKESH KUMAR LUNAYAT

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 03 | 20-08-2017

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	2	5	5	9	0	5

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Mukesh

93

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: 125×2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: 125×2 = 250

खण्ड–A / SECTION –A

1. समन्वित प्रयत्नों से हम देश को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर सकते हैं, जबकि एकता का अभाव हमारे समक्ष नई आपदाओं को उजागर करेगा।

   By common endeavor we can raise the country to a new greatness, while a lack of unity will expose us to fresh calamities.

2. कम नकद तथा नकदरहित अर्थव्यवस्था।

   Less cash and cashless economy.

3. यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएँ, यदि पाँच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएँ लेकिन यदि आप पीढ़ीगत समाधान चाहते हैं तो नारी को शिक्षा प्रदान करें।

   If you want to plan for a year sow a seed, if you want to plan for five year plant a tree but if you want to plan for a generation educate women.

4. विज्ञान की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं अध्यात्म की शुरुआत वहीं से होती है।

   Spirituality begins where science ends.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3 "यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएँ, पाँच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएँ लेकिन यदि आप दीर्घकालिक समाधान चाहते हैं तो एक नारी को शिक्षित करें।

Ans-

"यदि आप किसी राष्ट्र के विकास का स्तर जानना चाहते हैं तो उस राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति को जानें"।

"इतिहास की किताबें भिन्न हो जाती हैं यदि आप उसमें महिलाओं के योगदान एवं भूमिका को शामिल कर लेते हैं"।

– राष्ट्रीय इतिहास लेखन परियोजना

कहा जाता है कि महिलाएँ आधे आकाश को घेरती हैं, जो कि सत्य भी है। परंतु जब हम हमारी नजर चारों ओर दौड़ाते हैं तो लगभग प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक अंतराल को महिलाओं के विरुद्ध पाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी यही स्थिति है। परन्तु यहाँ एक मौलिक अंतर है क्योंकि अन्य सभी क्षेत्रों में जो अंतराल है उसकी जड़ अगर हम शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त अंतराल में खोजें, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

आशय है कि शिक्षा का अभाव अन्य क्षेत्रों में

भूमिका को और प्रभावी लिखें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अधिकांशतया अंतराल को महिलाओं के विरुद्ध बना देता है। प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की दुर्दशा व पिछड़ेपन का कारण मुख्यतः यदि शिक्षा के अभाव व पहुंच की कमी को माना जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। अतः लैंगिक-समानता के विचार को साकारित करने हेतु शिक्षा की महिलाओं तक सार्वभौमिक पहुंच एक पूर्व अपेक्षित शर्त है।

हालांकि प्राचीन काल से ही महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा गया है। प्राचीन भारतीय इतिहास में अपाला, घोषा, लोपामुद्रा जैसी गिनी-चुनी शिक्षित महिलाओं के ही उल्लेख मिलते हैं। आजादी के समय भारत में केवल 9% महिलाएँ साक्षर थी, हालांकि यह बढ़कर वर्तमान में 66% (2011) हो गया है परन्तु अभी भी देश की महिलाओं का 1/3 हिस्सा ऐसा है जो पढ़ एवं लिख नहीं सकता।

प्रश्न उठता है कि शिक्षा पर इतना बल क्यों दिया जाता है? वस्तुतः इसका एक पंक्ति में उत्तर दिया जा सकता है कि "शिक्षा सशक्तिकरण (empowerment) प्रदान करती है"। महिलाओं के संदर्भ में यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति (स्त्री-पुरुष दोनों) की सफलता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के पीछे एक महिला का हाथ होता है। यदि हम एक महिला को साक्षर करते हैं तो वह न केवल पूरे परिवार अपितु एक सम्पूर्ण पीढ़ी को सशक्त करती है।

स्वतंत्रता प्राप्ति में महिलाओं के योगदान की और चर्चा करें

वस्तुतः महिलाओं को शिक्षित करना केवल इसलिए आवश्यक नहीं है कि वे एक सम्पूर्ण पीढ़ी को सशक्त करती है अपितु इससे ज्यादा यह इसलिए आवश्यक है कि एक मनुष्य होने के नाते शिक्षा प्राप्त करने का उसका यह मानवाधिकार है। शिक्षित महिला प्रत्येक क्षेत्र - आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, नैतिक एवं पारिवारिक क्षेत्र में सशक्तिकरण लाती है, इसे और सुदृढ़ एवं समावेशी करती है।

महिलाओं को शिक्षित किये बिना विकास की प्रक्रिया अधूरी, असमावेशी, विभाजनकारी है। यदि विकास की प्रक्रिया में स्त्री-पुरुष के समान सरोकारों को शामिल नहीं किया गया तो स्वयं विकास की प्रक्रिया संकटग्रस्त हो जाएगी। अब प्रश्न उठता है कि शिक्षा इसमें कैसे योगदान दे सकती है।-

वस्तुतः शिक्षा मनुष्य को सशक्त बनाती है। उसे उसके अधिकारों एवं दायित्वों का

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का बोध कराती है। 1991 के LPG सुधारों के बाद भारत में रोजगार के अवसरों के सृजन में वृद्धि हुई है। 21वीं सदी में निश्चित तौर पर कौशल एवं तकनीकी ज्ञान विकास के इंजन की भूमिका निभाने वाले हैं, यदि महिलाओं को शिक्षित नहीं किया गया तो स्वाभाविक तौर पर वे इस दौड़ से बाहर हो जाएंगी। वर्तमान में स्त्रियों की गिरती कम सहभागिता दर के पीछे कौशल व तकनीकी ज्ञान के अभाव को भी एक कारण माना जा सकता है।

IMF की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि महिलाओं को पुरुषों के समान विकास में भागीदारी दी जाए तो देश की GDP में 27% की वृद्धि हो सकती है। पुनः महिलाओं को शिक्षा का एक अतिरिक्त वर्ष उनकी एम्पायबिलिटी के सामर्थ्य में कई गुणा वृद्धि करता है।

एक शिक्षित महिला सभी क्षेत्रों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती है। इसका प्रमुख उदाहरण भूमि एवं संपत्ति अधिकारों के संदर्भ में दिया जा सकता है। हालांकि हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 के तहत महिलाओं को पैतृक संपत्ति में संपत्ति अधिकार प्रदत्त किए गए हैं। परन्तु प्रश्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रश्न उठता है कि भारत में कितने प्रतिशत महिलाएँ इसका लाभ उठा रही हैं। शायद 1 प्रतिशत से भी कम।

परंतु यदि महिला अपने इस अधिकार के बारे में जागरूक होकर दावा करती है जो कि एक प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच के माध्यम से ही संभव है तो इसके असंख्य फायदे हैं। यथा:-

महिलाओं को प्राप्त शिक्षा के महत्व को और स्पष्ट करें

- उसकी परिवार में निर्णयन प्रक्रिया में भूमिका व सम्मान बढ़ता है।
- विधवा अथवा तलाक की स्थिति में उसे स्वयं एवं अपने बच्चों की देखभाल हेतु किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।
- वह इस संपत्ति का प्रयोग ऋण लेने हेतु गिरवी के रूप में या एन्टरप्रेन्यूरशिप हेतु कर सकती है।
- FAO के एक अध्ययन के अनुसार महिलाओं को भूमि व संपत्ति अधिकार वैश्विक खाद्य सुरक्षा समस्या से छुटकारा दिलाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं क्योंकि संपत्ति का अधिकार उन्हें कृषि आगतों पर बेहतर निवेश में सक्षम बनाता है।
- उन्हें अपनी आवश्यकताओं हेतु पति अथवा भाई पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

राजनीतिक स्तर पर भी शिक्षा के अभाव में महिलाओं की राजनीति में भागीदारी अत्यंत कम है। उदाहरणतः वर्तमान लोकसभा में 543 सांसदों में केवल

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6। महिला संसद (11%) है। ऐसी ही स्थिति राज्य विधानसभाओं एवं उच्च स्तरीय प्रशासनिक पदों पर है। आशय है कि यदि नीति-निर्माण के स्तर पर महिलाओं को शामिल नहीं किया जाएगा तो फिर उनके हितों को बेहतर प्रतिनिधित्व न किये जाने की संभावना बनी रहती है। उदाहरण: भारतीय संसद में संसद के दोनों सदनों हेतु महिलाओं को 33% आरक्षण का विधेयक कई वर्षों से दबा पड़ा है (Lapsed)।

परिवार समाज की मूलभूत इकाई है। महिला परिवार में परिवर्तन की एजेंट बन सकती है यदि उसे शिक्षित किया जाए। शिक्षित महिला स्वयं को सशक्त करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य, पोषण संबंधी आवश्यकताओं का भी बेहतर ढंग से ध्यान रख सकती है। परिवार में महत्वपूर्ण मुद्दों पर एवं सामूहिक निर्णयन प्रणाली में वह सुदृढ़ता से अपना पक्ष रख सकती है तथा अपनी जायज बात को मनवा सकती है। वह अपने बच्चों, परिवार, रिश्तेदारों, गाँव एवं समाज हेतु रोल मॉडल की भूमिका निभा सकती है। इसका समकालीन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उदाहरण टीना डाबी को दिया जा सकता है। लोकतंत्र में प्रतीकों का अपना महत्व होता है। एक स्वतंत्र एवं सशक्त माँ का उसकी सफलता में योगदान निर्धारक तत्व है परन्तु इसी के साथ अब वह उन असंख्य दलित महिलाओं तथा सामान्यतः सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व है जो इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी पहचान कायम करने को प्रतिबद्ध है। निसंदेह ऐसे उदाहरण आगामी पीढ़ियों हेतु भी उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं।

ग्रामीण महिलाओं की स्थिति को और स्पष्ट करें

भारतीय सामाजिक परिदृश्य में जहाँ पितृसत्तात्मकता एक कड़वी सच्चाई है एवं ज्यादातर समाजों में महिला को आज भी अपने आप में साध्य न मानकर एक साधन मात्र माना जाता है। महिलाओं के विरुद्ध अपराध बढ़ते जा रहे हैं तथा परिवार से लेकर विद्यालय, समाज, रोजगार, राजनीति, अर्थव्यवस्था, गायन सभी क्षेत्रों में लिंग आधारित भेदभाव एक आम बात है, ऐसी चुनौतियों का विरोध एक शिक्षित एवं सशक्त महिला ही कर सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सरकार के प्रयासों को और स्पष्ट करें

हाल ही में महिलाओं के प्रति समाज के व्यापक रवैये एवं उनके समक्ष अपने अधिकारों को प्रयोग में लाने की संभावनाओं व चुनौतियों व शिक्षा के आधार पर महिलाओं द्वारा उनसे लड़ने के तरीके को समेटती एक बेहद प्रगतिशील फिल्म 'पिंक' की कहानी इस बात की साक्ष्य है कि शिक्षा क्यों आवश्यक है।

II. स्वास्थ्य एवं रोजगार के संदर्भ में

अब समय आ गया है कि सच्चे अर्थों में महिलाओं को उनके द्वारा छोड़े गये आधे आकाश पर प्रदान किया जाए। परन्तु यह इतना आसान नहीं होगा, हालांकि यदि इस हेतु शिक्षा को एक हथियार बनाया जाए तो यह असंभव भी नहीं है। अब समय आ गया है कि महिलाओं को निष्क्रिय ग्रहता (Passive Recipient) मात्र न होकर परिवर्तन के एक सक्रिय एजेंट की भूमिका निभानी पड़ेगी। उन्हें अपने प्राप्य को प्राप्त करना पड़ेगा। अंत में इस संदर्भ में 'पिंक' की ये पंक्तियां अत्यंत सार्थक हैं।

'तू खुद की खोज में निकल, तू किसलिए हताश है,
तू चल तेरे वजूद की, समय को भी तलाश है।
तुझ से लिपटी ये बेड़ियाँ, समझ ना इनको वस्त्र तू
ये बेड़ियाँ पिघाल कर, बना ले इनको शस्त्र तू।
चूनर को उड़ा ध्वज (Freedom) बना, गगन में तू फहराएगा,
अगर तेरी चूनर गिरी तो एक भूकंप आएगा, एक भूकंप आएगा।'

46

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. एक राष्ट्र : एक निर्वाचन
   One nation: One election.
2. भारत में डिजिटल अंतराल : ग्राम्य रूपांतरण में अवरोध
   Digital divide in India: A roadblock to rural transformation.
3. कायांतरित भारत : नवीन भारत
   Transforming India: New India.
4. निष्ठावान पड़ोसी दूरस्थ रिश्तेदार से उत्कृष्ट है।
   A close neighbour is better than distant relative.

कायांतरित भारत : नवीन भारत

यूनान-मिस्र-रोमाँ सब मिट गये जहाँ से,
कुछ बात तो है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।।
-कवि इकबाल

उपरोक्त पंक्तियाँ भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना की दीर्घकालिक निरंतरता को दर्शाती है। वस्तुतः यह केवल तभी संभव हो पाया है जब हमने अपने आप को समय, स्थान, परिस्थिति के अनुसार कालानुक्रमेण समायोजित किया है। जड़ता के बजाय नवीन विचारों, नवाचारों के प्रति अनुक्रियाशील (Proactive) रवैये के कारण ही हम हमारी सततता को बनाये रखे हुए हैं। समय व आवश्यकता के अनुसार हमने स्वयं को कायांतरित किया है, नये विचारों का स्वागत किया है।

ऐसा ही एक नया विचार 'नवीन भारत [न्यू इंडिया]', आजादी के 70 वर्ष के उपलक्ष्य में लाल किले की प्राचीरों से भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रखा है। नवीन भारत" का यह विचार 21वीं सदी की आकांक्षाओं एवं अभिलाषाओं के अनुरूप भारत को कायांतरित करने का विचार है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य सैनिटेशन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसे सामाजिक क्षेत्रों से होते हुए अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, जनसांख्यिकी, गवर्नेंस, आंतरिक सुरक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ ऊर्जा, प्रतिस्पर्धात्मक सहयोगिक संघवाद, विज्ञान व तकनीकी समेत सभी क्षेत्रों में नवाचारों, नवीन उपायों को अपनाकर उपलब्ध संसाधनों एवं सामर्थ्य का प्रयोग करते हुए सभी संभावनाओं को वास्तविकता में साकारित करने के संकल्प का आह्वान करता है।

भारत वर्तमान में ऐसे स्तर पर खड़ा है जहाँ सम्पूर्ण वैश्विक परिदृश्य में इसके लिए अपार संभावनाएं हैं। एक ओर जहां आगामी वर्षों में विश्व की सभी विकसित अर्थव्यवस्थाएँ श्रम की कमी की समस्या से जूझेंगी, वहीं भारत "जनसांख्यिकी लाभांश" का लाभ उठाकर सम्पूर्ण विश्व को श्रमपूर्ति का स्थान बन सकता है। भारतीयों की औसत आयु वर्तमान में करीब 29% है। अर्थात् भारत की अधिकांश जनसंख्या युवा है।

परन्तु 'डेमोग्राफिक डिविडेंट' का सच्चे अर्थों में लाभ उठाने हेतु अनेक प्रक्रियागत एवं संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता होगी। 21वीं सदी में भारत एशिया का नेतृत्व कर सकता है। 'नवीन इंडिया' के स्वप्न को पूरा करने हेतु प्रत्येक क्षेत्र में नवीन कदम उठाने होंगे।

भारत की परिस्थितियों में परिवर्तन को संक्षेप में स्पष्ट करें।

प्राचीन काल से आधुनिकता की ओर प्रयासों को स्पष्ट करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से वर्तमान में भारत क्रयशक्ति समता (PPP) के दृष्टिकोण से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले 2 वर्षों में यह विश्व की सबसे तेज वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था रही है। परंतु वैश्विक पैटर्न के विपरीत विकास की प्रक्रिया के साथ-साथ भारत विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर सृजित नहीं कर पाया है। वर्तमान में भी भारत जनसंख्या का करीब 51% भाग रोजगार हेतु कृषि पर निर्भर है। 'नवीन भारत' की संकल्पना इसी पैटर्न को बदलकर विनिर्माण क्षेत्र को भारत के विकास का इंजन बनाने पर केन्द्रित है। सरकार द्वारा इस दिशा में अनेक प्रयास किये गए हैं जिनमें स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु मेक-इन-इंडिया, MSME's के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैण्ड अप इंडिया, अवसंरचना के क्षेत्र में परियोजनाओं के वित्तीयन हेतु राष्ट्रीय अवसंरचना निवेश निधि (NIIF), सिंगल विंडो क्लीयरेंस, इज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हेतु अनेक प्रयास किये गए हैं।

हाल ही में 'एक राष्ट्र: एक कर' की थीम पर आधारित वस्तु एवं सेवा कर का 1 जुलाई से लागू होना 'नवीन भारत' का संकेतक है। यह न केवल अप्रत्यक्ष करों में पारदर्शिता, एकरूपता व सरलता लाकर देश की आर्थिक वृद्धि की गति को

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तीव्र करेगा अपितु यह भारत के एक संघीय राष्ट्र के रूप में परिपक्व होने को भी प्रतिबिंबित करता है। यह भारतीय राजव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक सहकारी संघवाद प्रकृति को दृढ़ करता है। 14वें वित्त आयोग द्वारा राजस्व पूल में राज्यों के हिस्से को 32% से बढ़ाकर 42% करना, केन्द्र द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं (CSS) को पुनर्संरचित करना तथा राज्यों को कोर योजनाओं के अलावा अन्य आशयन्त योजनाओं में चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना सहकारी संघवाद की प्रगति का उदाहरण है। 'नवीन भारत' का यह सहकारी संघवाद निष्क्रिय न होकर अपनी प्रकृति में स्वयं प्रतिस्पर्धात्मक है। पिछले 1-2 वर्ष में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश आदि राज्यों में विशेषतः भूमि एवं श्रम सुधारों के संदर्भ में प्रतिस्पर्धात्मक सहकारी संघवाद के लक्षण दिखाई देने लगे हैं।

सीमित संसाधनों में आर्थिक विकास को और स्पष्ट करें।

आर्थिक एवं राजनीतिक स्तर पर चाहे कितनी ही प्रगति कर ले, सामाजिक प्रगति एवं समावेशन के बिना 'नवीन भारत' का संकल्प अधूरा है। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बाद हालांकि प्राथमिक स्तर पर हमने शत प्रतिशत नामांकन प्राप्त कर लिया है परन्तु माध्यमिक व उच्च शिक्षा के स्तर पर उच्च ड्रॉप-आउट दर की समस्या अभी भी विद्यमान है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता अभी भी एक स्वप्न की भाँति है। प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में प्रथम फाउंडेशन की ASER रिपोर्ट आँख खोल देने वाली है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (R&D) लगभग उपेक्षित है, उदाहरणतः विश्व के 17% मस्तिष्कों (जनसंख्या) के बावजूद रिसर्च आउटपुट में भारत का योगदान केवल 2.6% है।

हालांकि स्त्री साक्षरता के संदर्भ में हम 1951 के 9% से 2011 तक 66% तक पहुँच गये हैं परन्तु देश की महिला जनसंख्या का 1/3 हिस्सा अभी भी शिक्षा से वंचित है। 'नवीन भारत' के उपागम को शिक्षा संबंधी उपरोक्त चिंताओं को शामिल करना होगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश की 76% जनसंख्या निजी क्षेत्र पर निर्भर है। वहनीय स्वास्थ्य सुविधाओं तक सभी की पहुँच अभी भी स्वप्न मात्र है। देश की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के लाभ से वंचित है। हाल ही में गोरखपुर के अस्पताल में घटी घटना (62 बच्चों की ऑक्सीजन की कमी के अभाव में मौत) सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति पर पुनर्विचार करने को बाध्य करती है।

सरकार द्वारा वहनीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु जन औषधि ग्रहों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (U+R), स्टेंट की कीमत में कमी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 आदि प्रयास किये गए हैं।

अभी भी भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को बाध्य है। 'नवीन भारत' का स्वप्न एक गरीबी मुक्त भारत का स्वप्न है। सरकार इस हेतु मनरेगा के विस्तार, कौशल विकास हेतु गाँवों व छोटे कस्बों में इनक्वेंटरी स्थापना, 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध कराने की योजना, राष्ट्रीय कौशल विकास योजना आदि पर जोर दे रही है।

प्रत्येक क्षेत्र में 'समावेशन' के शामिल करके ही कायांतरण संभव हो सकेगा। विकास की प्रक्रिया को और अधिक तीव्र व धारणीय बनाने हेतु प्रत्येक स्तर पर महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजातियों, दलितों, पिछड़े वर्गों, ट्रांसजेंडरों एवं अल्पसंख्यकों को शामिल करना पड़ेगा। इन वर्गों के बिना वित्तीय एवं सामाजिक समावेशन के नवीन इंडिया का संकल्प अधूरा है। हालाँकि सरकार ने इस दिशा में प्रधानमंत्री जन धन योजना, उज्ज्वला, उस्ताद, वनबंधु, जेंडर बजटिंग, ट्रांसजेंडरों को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता, ST, SC व महिलाओं हेतु स्टैंड अप इंडिया के तहत सिडबी के तत्वावधान में फण्ड ऑफ फण्ड्स (1000 करोड़) निधि की स्थापना आदि सराहनीय प्रयास किए हैं।

समावेशन की इसी धारा में किसानों, खेतिहर मजदूरों की अवहेलना नहीं की जा सकती। नवीन इंडिया का संकल्प 2022 तक किसानों की आय को दोगुना

भारत के परियन्त्र लोकतंत्र को और स्पष्ट करें

संविधान के संदर्भ में पंचायतीराज आदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करना है। इस हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सूक्ष्म सिंचाई योजना, भूमिहीन किसानों ~~व खेतिहर मजदूरों~~ तक ऋण की पहुँच हेतु मॉडल भूमि पट्टा कानून (नीतिआयोग), भूमि बैंक की अवधारणा को अपनाना एवं महिलाओं हेतु SHG's समूहों (यथा केरल का कुडुम्बश्री) को प्रोत्साहन देना शामिल है।

'नवीन इंडिया' का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू 'डिजीटलीकृत भारत' का है। डिजीटल उपागमों का गवर्नेंस में अधिकाधिक प्रयोग कर बेहतर सेवा प्रदायगी कर प्रत्येक क्षेत्र चाहे वह प्रत्यक्ष लाभ अंतरण हो, आधार आधारित सेवाएं हो, ITR रिफंड हो, बिजनेस करने हेतु लाइसेंस की प्राप्ति हो, विभागों व मंत्रालयों में परस्पर संवाद हो, विकेन्द्रीकरण के तहत पंचायतों तथा भारतनेट (राष्ट्रीय फाइबर ऑप्टिक योजना) के माध्यम से इंटरनेट तक पहुँच हो या कैशरहित अर्थव्यवस्था का स्वप्न हो। प्रत्येक स्तर यथा आर्थिकी, कृषि, तटीय व सीमा सुरक्षा, नेटवर्किंग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, शिक्षा (स्वयं, MOOCs) या सरकारी प्रशासन हो, डिजीटलीकृत भारत का स्वप्न 'नवीन भारत' का एक अपरिहार्य अंग है।

'ऊर्जा-सुरक्षा' एवं 'स्वच्छ ऊर्जा' दोनों को संतुलित करना भी 'नवीन भारत' के समक्ष एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। भारत ने UNFCCC के तहत पेरिस समझौते

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर हस्ताक्षर कर पर्यावरणीय धारणीयता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इसके तहत भारत ने 2005 के स्तर से अपनी कुल्सर्जन गहनता को 33-35% कम करने तथा 2030 तक ऊर्जा हेतु जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को 40% तक सीमित करने का वचन रखा है। इसी के साथ महिलाओं को बेहतर जीवन उपलब्ध कराने हेतु LPG सिलेंडर वितरण हेतु प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना प्रारंभ की है। पर्यावरण के क्षेत्र में नमामि गंगा योजना, उत्तराखंड उच्चन्यायालय द्वारा गंगा व यमुना नदी व इनकी सहायक नदियों को जीवित इकाइयों का स्टेटस देना "नवीन भारत" के संकेतक है।

यद्यपि "नवीन भारत" "मायातंत्रि भारत" का स्वप्न एक साहसी एवं सहस्त्रीय संकल्प है जिसमें भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने की क्षमताएं है, परन्तु वहीं इसकी ओर इसके समानान्तर कुछ चुनौतियाँ है, जिनको संबोधित किये बिना इसे साकारित नहीं किया जा सकता है।

अर्थव्यवस्था के स्तर पर रोजगारविहीन संवृद्धि (Jobless growth) की दिशा की ओर इस समय है। पिछले 2 वर्षों में वार्षिक रोजगार सृजन 2 लाख प्रतिवर्ष तक गिर गया है। ध्यातव्य है कि 2009-11 के समय (जिसे Jobless growth के वर्ष माना जाता है) भी यह 9 लाख प्रतिवर्ष था।

सूती वस्त्र उद्योग एवं असंगठित क्षेत्र इस प्रक्रिया से

तकनीकी विकास और धर्म में समन्वय की ओर स्पष्ट करें

पर्यावरण संरक्षण पर भारत की स्थिति को और स्पष्ट करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सर्वाधिक प्रभावित हैं।

सामाजिक स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक अंतराल, महिलाओं की गिरती काम सहभागिता दर, महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराध, घटता लिंगानुपात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अवहेलना, अनियोजित शहरीकरण से उपजे मुद्दे, शहरी स्लमों की बढ़ती संख्या, भीड़-तंत्र व "Mob-Justice" जैसी घटनाएं नवीन भारत के समक्ष वास्तविक चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैं।

इसके अलावा शहरी-ग्रामीण अंतराल, डिजीटल-डिवाइड, क्षेत्रीय-असमानता के कारण क्षेत्रवाद जैसी समस्याएं, कश्मीर में अलगाववाद के कारण व्यापक अशांति, नक्सलवाद व पूर्वोत्तर में इंसर्जेंसी की समस्या आदि सुरक्षा के दृष्टिकोण से चुनौतियां हैं।

राजनीतिक स्तर पर अन्तर्राज्यीय नदी जल विवाद, संसद की उत्पादकता का निरंतर गिरता स्तर, अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग के मामले (उत्तराखंड व अरुणाचल प्रदेश), अनुच्छेद 35A व 370 पर विवाद, समान सिविल संहिता व सबल्ड मुद्दे आदि प्रमुख चुनौतियां हैं।

पर्यावरणीय स्तर पर पर्यावरण का विघटन, प्रदूषण के कारण अकेले भारत में प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक मौतें, शहरी अपशिष्ट निपटान की समस्या, एवं ई-कचरा नवीन चुनौतियां हैं।

इन सब के अलावा न्यायिक प्रक्रियाओं में देरी व न्याय में विलंब प्रत्येक क्षेत्र की वृद्धि व गतिशीलता

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को शिथिल करता है। देशभर में उच्च न्यायालयों (43 रिक्त पद) व अधीनस्थ न्यायालयों (5580 रिक्त पद) खाली पड़े हैं। न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 3.5 करोड़ से अधिक है। देश में आपराधिक न्यायिक व्यवस्था की शिथिलता कहीं न कहीं अपराध पर लगाम लगाने हेतु डेटेरेंस उत्पन्न करने में विफल रही है।

संबंधित चुनौतियों के समाधानों पर भी चर्चा करें।

निसंदेह बिना उपरोक्त चुनौतियों को संबोधित करते हुए 'नवीन भारत' का सृजन नहीं किया जा सकता। योजना आयोग के स्थान पर स्थापित नीति आयोग जिसे रूपांतरित भारत हेतु राष्ट्रीय संस्थान कहा जाता है द्वारा हाल ही में इसके 15 वर्षीय राष्ट्रीय विकास एजेंडा (NDA) के तहत प्रथम 3 वर्षीय एक्शन प्लान का ड्राफ्ट जारी किया गया है। 'रूपांतरित भारत' के द्वारा 'नवीन भारत' बनाने का सरकार का यह संकल्प 15 वर्षीय सतत विकास लक्ष्यों (SDG's) के समानांतर है। अतः यदि भारत को इन 15 वर्षों में (2017-32) 'नवीन भारत' का संकल्प पूर्ण करना है तो कार्य व भावना (Action & Spirit) में इन सतत विकास लक्ष्यों (SDG's) को लक्ष्यीकृत करके भी पाया जा सकता है। निसंदेह यदि 15 वर्षीय राष्ट्रीय विकास एजेंडा लक्ष्यों के साथ-साथ SDG's को भी पा लिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गया तो 'नवीन भारत' का संकल्प पूर्ण हो सकेगा। एक युवा राष्ट्र के रूप में व्याप्त सभी संभावनाओं, आकांक्षाओं, सामर्थ्य (Potential) को वास्तविकता की धरा पर साकारित (Actualise) किया जा सकेगा।

47

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation